# वानिकी समाचार

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वर्ष 13 सं. II

नवंबर 2021

आज़ादी का अमृत महोत्सव

## आजादी का अमृत महोत्सव

- भा.वा.अ.शि.प. और इसके संस्थानों ने 26 नवंबर 2021 को "संविधान दिवस" मनाया।
- व.अ.सं., देहरादून ने 26 नवंबर 2021 को संस्थागत वैज्ञानिक परिणामों के विस्तार एवं जंगली खाद्य पदार्थों के मूल्यवर्धन की संभावनाओं पर जोर देने के लिए "वन्य खाद्य पदार्थों में मूल्यवर्धन की संभावना एवं लक्षण" पर वेबिनार का आयोजन किया।
- व.आ.वृ.प्र.सं, कोयम्बत्तूर ने 12 नवंबर 2021 को "नगर वानिकी" पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में व.आ.वृ.प्र.सं, कोयम्बत्तूर के 250 वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों और शोधार्थियों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 12 नवंबर 2021 को "काष्ठ अभिज्ञान एवं इसका महत्व" पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में 180 वन विभाग कार्मिकों, वानिकी छात्रों, शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं, काष्ठ उद्योग और प्रशिक्षण केंद्रों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 17 नवंबर 2021 को "वानिकी में पादप ऊतक संवर्धन तकनीकों का उपयोजन" पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में 240 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 26 नवंबर 2021 को का.वि.प्रौ.सं. अनुसंधान केन्द्र, गोट्टीपुरा में "बांस प्रबंधन एवं कटाई" पर प्रशिक्षण सह प्रदर्शन का आयोजन किया। कार्यक्रम में 50 किसानों ने भाग लिया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 17 नवंबर 2021 को रानी दुर्गावती समाधि स्थल, ग्राम बरहा, जबलपुर, मध्य प्रदेश में बिरसा मुंडा जयंती मनाई।

## अनुक्रमणिका


| | पृष्ठ सं. |
|---|---|
| आजादी का अमृत महोत्सव | 01 |
| महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष | 03 |
| परामर्श | 04 |
| कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / बैठकें | 04 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रम | 06 |
| समझौता ज्ञापन | 08 |
| प्रकृति कार्यक्रम | 08 |
| जागरूकता कार्यक्रम | 08 |
| आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी का प्रचार | 08 |
| मानव संसाधन समाचार | 08 |

व.आ.वृ.प्र.सं, कोयम्बत्तूर ने नगर वानिकी पर वेबिनार का आयोजन किया

उ.व.अ.सं., जबलपुर ने रानी दुर्गावती समाधि स्थल, ग्राम बरहा में बिरसा मुंडा जयंती मनाई

# वानिकी समाचार 2021

- हिमाचल प्रदेश में चंदनकाष्ठ की खेती की संभावनाओं पर विचार–विमर्श करने के लिए हि.व.अ.सं., शिमला ने 10 नवंबर 2021 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं शोधार्थियों सहित 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 12 नवंबर 2021 को झारखंड के उल्गारा गांव लातेहार में "बांस पौधशाला एवं प्रबंधन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें गांव और आसपास के क्षेत्रों के 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 15 नवंबर 2021 को बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में निदेशक, समूह समन्वयक (अनुसंधान), सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, शोधार्थीयों ने भाग लिया। ईआरएस, सुकना और वन अनुसंधान केन्द्र, मंदार जैसे अनुसंधान केंद्र के कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में वर्चुअली भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 17 नवंबर 2021 को बिरसा मुंडा जयंती के अंतर्गत व.उ.सं. के प्रदर्शन गांव कुटाम, खूंटी में "आदिवासी उद्यमिता" पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में ग्रामीणों व पंचायत के सदस्यों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 18 नवंबर 2021 को झारखंड के चंदवा में "लघु वन उपज का महत्व" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- व.उ.सं., रांची ने बिरसा मुंडा जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत 22 नवंबर 2021 को तुरीगढ़ा, तोरपा, खूंटी में ग्रामीणों, पंचायत सदस्यों के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन किया।
- व.अ.के.–पा.पु. प्रयागराज ने 18 नवंबर 2021 को पडिला अनुसंधान पौधशाला, प्रयागराज में "लाख आधारित कृषि वानिकी मॉडल" प्रशिक्षण का आयोजन किया।

हि.व.अ.सं., शिमला ने चंदनकाष्ठ की खेती की कार्यक्रम आयोजित किया

व.उ.सं., रांची ने बांस पौधशाला एवं प्रबंधन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया

व.उ.सं., रांची ने बिरसा मुंडा जयंती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया

व.उ.सं., रांची ने कुटाम, खूंटी में बिरसा मुंडा जयंती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया

व.अ.के.–पा.पु., प्रयागराज ने लाख आधारित कृषि वानिकी मॉडल पर प्रशिक्षण आयोजित किया

## महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

भा.वा.अ.शि.प. की वैराइटी रिलीजिंग कमेटी (वी.आर.सी.) 18 नवंबर 2021 को वन महानिदेशक और विशेष सचिव (प.व.ज.प.मं.) की अध्यक्षता में और महानिदेशक (भा.वा.अ.शि.प.) की सह–अध्यक्षता में आयोजित की गई। 22 किस्मों/कृंतक जारी किए गए, विवरण इस प्रकार हैं:

- व.अ.सं., देहरादून ने व्यावसायिक खेती के लिए नीम की 06 किस्मों का विकास किया। ये किस्में आधार आबादी की तुलना में औसतन दोगुने तेल (34.67 से 36.75%) और *अज़ाडिरिक्टन* (6047 से 9755 पीपीएम) सामग्री का उत्पादन कर सकती हैं।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने *कैलोफाइलम इनोफाइलम* के फल और तेल सामग्री के लिए मूल्यवान साथ ही दक्षिणी राज्यों में वाणिज्यिक खेती के लिए 06 कृंतक विकसित किए, जो अशोधित बीज स्रोत से 4.3 किलोग्राम की तुलना में रोपण के 6 वें वर्ष के बाद औसतन 6 किलोग्राम औसत फल उपज/वृक्ष दे सकता है।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने गुजरात के लिए *डैलबर्जिया सिस्सू* के 03 कृंतक विकसित किए, जो लगातार उच्च काष्ठ की उपज दे रहे हैं। इन *डी. सिस्सू* कृंतकों से 25 वर्षों में काष्ठ की कुल अपेक्षित उपज 284.0 घन मीटर/हेक्टेयर है, जिससे कुल 29.40 लाख/हेक्टेयर/25 वर्ष की आय व्यापारिक लॉग के रूप में उत्पन्न की जा सकती है।
- व.उ.सं., रांची ने उच्च उत्पादकता और लघु आवर्तन अवधि के साथ पॉपलर के 05 कृंतक विकसित किए। इन पॉपलर कृंतकों की उत्पादकता 36.72 से 43.11 मी$^3$/हेक्टेयर/वर्ष है, जो 3.21 से 3.77 लाख/हेक्टेयर/वर्ष की आय दे सकती है। ये पॉपलर कृंतक वर्तमान में उपयोग किए जा रहे प्रसिद्ध औद्योगिक कृंतक से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने तीन अलग–अलग प्रजातियों जैसे *यूकेलिप्टस टेरेटिकोर्निस, ई. कैमलडुलेंसिस* और *ई. ग्रैंडिस* से अंतरजातीय संकरों पर काम किया तथा व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर के सर्वश्रेष्ठ कृंतकों से 10% और उससे अधिक की वृद्धि श्रेष्ठता वाले *यूकेलिप्टस* संकर के 02 कृंतक विकसित किए।

### वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- नई कवक प्रजातियों, *टेरुला बैम्बुसिकोला* प्रजा. नव. वी. प्रकाश मायकोबैंक नंबर एमबी 833227 (नवंबर, 2021 को जारी) का वर्णन किया गया।
- "संरक्षण एवं संवहनीय उपयोग हेतु कांजीलाल की चकराता, देहरादून और सहारनपुर वन प्रभाग, उत्तर प्रदेश की वन वनस्पतिजात का संशोधन" परियोजना के अंतर्गत 44 प्रजातियों की नामावली का अद्यतनीकरण तथा विवरण पूरा किया गया। टोंस वन प्रभाग के पुरोला, सांद्रा और देवता पर्वतमाला में सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान विभिन्न इलाकों से पादपों की कई प्रजातियों को एकत्र किया गया।
- "संरक्षण एवं संवहनीय उपयोग हेतु कुमाऊं के लिए ओस्मास्टन की वन वनस्पतिजात का संशोधन" परियोजना के अंतर्गत 40 प्रजातियों की नामावली का अद्यतनीकरण और विवरण पूरा किया गया।
- वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों के पुनर्जनन का वृक्षों के लिए 10X10 और शाक के लिए 3X3 क्वार्डेट निर्धारित करके सर्वेक्षण किया गया। पुनर्जनन क्वार्डेट के साथ–साथ संबंधित प्रजातियों का भी नमूना लिया गया और उनका अभिज्ञान किया गया। "कैम्पा– वन आनुवंशिक संसाधन (चरण – III)" पुनर्जनन के लिए जिन प्रमुख वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों का अभिज्ञान किया गया और उनका सर्वेक्षण किया गया, वे थे *अकैशिया कैटेचू, अकैशिया ल्यूकोसिफेला, एगल मार्मेलोस, अल्बिजिया प्रोसेरा, एनोजिसस पेंडुला, बौहिनिया रेसमोसा, क्रेटेवा एडनसोनाई, डैलबर्जिया सिस्सू, साइजीजियम क्यूमिनी, प्रोसोप्सिस सिनरेरिया, टेकोमेला अंडुलता, राइटिया टिंक्टोरिया, बार्लेरिया प्रायोनाइटिस, कैपरिस सेपियारिया, ग्रेविया टिनक्स, ज़िज़िफस मॉरिशियाना, मेटिनस रॉयलियाना*।
- अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत कम से मध्यम अवधि के भंडारण प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए क्रमशः तमिलनाडु और कर्नाटक के वन क्षेत्र से प्राप्त *बैम्बुसा बैम्बोस* और *डेंड्रोकैलामस स्ट्रीक्टस* के बीजों के लिए बांस के बीज गुणवत्ता परीक्षण किए गए। *बी. बैम्बोस* के लिए अंकुरण प्रतिशत के प्रारंभिक निष्कर्ष 67% @ 7% एमसी (कमरे के तापमान के अंतर्गत), 86% @ 7% एमसी (5°C तापमान के अंतर्गत) और *डी. स्ट्रीक्टस* के लिए 82.5% @ 8% एमसी (कमरे के तापमान के अंतर्गत), 87.5% @ 8% एमसी (5°C तापमान के अंतर्गत) है।
- *पाइरस पाशिया* और *फाइकस पालमेटा* के वितरण का अध्ययन करने के लिए उत्तराखंड के मसूरी, धनोल्टी, चकराता वन प्रभागों में सर्वेक्षण किया गया। जीपीएस अवस्थिति ली गई, फल, कलम और मृदा के नमूने लिए गए। फलों के आकारिकीय डेटा नोट किया गया। *पाइरस पाशिया* के लिए आर्द्र%, राख%, अम्ल अविलेय, पानी में अविलेय राख मूल्य, निष्कर्षित मूल्य, कच्चे रेशे और कच्चे वसा, नमूना निर्धारित किया गया।
- *थाइमस सेरफाइलम* के पर्णों, तनों, फूलों और पूरे पादप से सगंध तेल को पृथक किया गया और सगंध तेल की जीसी–एमएस रिकॉर्डिंग की गई।

### वन अनुवांशिक एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- EcHKT1;1 को लक्षित करने वाले हेयरपिन RNA निर्माणों का उपयोग करते हुए *यूकेलिप्टस* की ट्रांसजेनिक घटनाओं का निर्माणः पहले के प्रयोगों में यूकेलिप्टस में एक मॉडल मिश्रित–ट्रांसजेनिक प्रणाली का उपयोग करते हुए यह दिखाया गया कि EcHKT1;1 जीन का डाउन रेगुलेशन लवण सहिष्णुता को बढ़ा सकता है। इन सुरागों को और आगे ले जाने के लिए, *यूकेलिप्टस* का *एग्रोबैक्टीरियम ट्यूमफेशियन्स* मध्यस्थता परिवर्तन किया गया। छह ट्रांसजेनिक घटनाएं उत्पन्न की गईं। सोडियम

ट्रांसपोर्टर जीन, EcHKT1;1 को लक्षित हेयरपिन आरएनए ट्रांसजीन की उपस्थिति के लिए पीसीआर विश्लेषण द्वारा इनकी पुष्टि की गई। इन्हें लवण सहिष्णुता बढ़ाने के लिए इन्हें बहुगुणित और मूल्यांकित किया जाएगा।

EcHKT1; 1hpRNA को आश्रय देने वाले यूकेलिप्टस की ट्रांसजेनिक घटनाओं की पीसीआर पुष्टि वांछित 308 बीपीहाइग्रोमाइसीनेम्प्लिकॅन दर्शा रहा है। लेन 1: नॉन टेम्प्लेट कंट्रोल, लेन 2: 50 बीपी लैडर, लेन 3: पॉजिटिव प्लास्मिड कंट्रोल, लेन 4: प्लांट कंट्रोल, लेन 5–8: यूकेलिप्टस बी5, बी6, बी8 और बी9 की ट्रांसजेनिक घटनाएं।

- *कैलोफाइलम इनोफाइलम* का वृक्ष सुधार, वृक्ष जनित तिलहन (टीबीओ) की क्षमता वाली एक प्रजाति को लिया गया और तीन अलग–अलग अवस्थितियों पर चयनित कृंतकों का बहुस्थाने परीक्षण किया गया।
- पिचवरम, परंगीपेट्टई और पजहयार में क्षेत्र का दौरा किया गया और प्रजनन जीव विज्ञान अध्ययन के संचालन के लिए 15 प्रजनन रूप से परिपक्व वृक्षों को टैग किया गया। आर्कजीआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके लक्षित प्रजातियों का स्थानिक मानचित्रण किया गया। *राइजोफोरा म्यूक्रोनाटा* हाइपर और हाइपो–सेलाइन दोनों क्षेत्रों में पाया जाता है, जबकि *आर. एपिकुलाटा* अधिकतर हाइपो–सेलाइन क्षेत्र तक ही सीमित है। *आर. एपिकुलाटा* और *आर. म्यूक्रोनाटा* में परागण अध्ययन किया गया। *आर. एपिकुलाटा* ने असामान्य पराग टेट्राड और बहुत सारे कोशिकाद्रव्य खाली कोशिकाओं को दर्शाया। निवासी बरूथी (माइट्स) *आर. एपिकुलाटा* और *आर. म्यूक्रोनाटा* में संभावित परागकर्ता हैं।
- मैंग्रोव मूल परिवेश रोगाणुओं को उनके संभावित पादपों के विकास को बढ़ावा देने वाले गुणधर्मों के लिए पृथक और लक्षण वर्णित किया गया और लवणता तनाव के अंतर्गत वृक्ष नवांकुरों यथा *कैजुरिना* प्रजा., *डेल्बर्जिया सिस्सू*, अजाडिरकटा इंडिका के विकास में सुधार पर अध्ययन के लिए जैव–इनोकुलेंट्स के रूप में उपयोग किया गया।

## कार्यशाला / सेमिनार / बैठकें

### काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

हलियाल, येल्लापुर, सेमंगला, कुशला नगर, अनेकाडु, दुबारे आदि में क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया और *डेल्बर्जिया लेटिफोलिया* के 25 से अधिक धन वृक्षों का अभिज्ञान किया गया।

### वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- मैक्सएंट मॉडल में झारखंड राज्य के लिए उपस्थिति के आंकड़ों के आधार पर *बुकनेनिया कोकिनचिनेंसिस, शोरिया रोबस्टा* और *टेरोकार्पस मार्सुपियम* का पारि–वितरण मानचित्रण किया गया।
- साल के शुद्ध जीनोमिक डीएनए को अच्छी गुणवत्ता और मात्रा में निष्कर्षित किया गया। 10 अलग–अलग प्रोटोकॉल के प्रयास के बाद 2 मैर्केप्टोएथेनॉल और पीवीपी की उच्च सांद्रता को लागू करते हुए सीटीएबी पद्धति का उपयोग करके एक प्रोटोकॉल का मानकीकरण किया गया।
- बांस पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत, *डेंड्रोकलमस स्ट्रीक्टस* के 5200 नवांकुर और *बी बैम्बूस* के 2000 नवांकुर लगाए गए। *बी. वल्गारिस* के 150 पादपों, *बी. नटन्स* के 45 पादपों और *बी. टुल्डा* के 130 पादपों की कलमों का जड़न द्वारा उत्पादित किया गया। अंगुल, ओडिशा से *डी. स्ट्रीक्टस, बी. वल्गारिस* और *बी. बैम्बूस* में से प्रत्येक के तीन गुल्मों का चयन किया गया।

## परामर्श

भा.वा.अ.शि.प. ने 04 परामर्श परियोजनाओं के अंतर्गत कार्य किया।

- मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार (एनटीपीसी लिमिटेड, नोएडा) राज्यों में 10 मिलियन वृक्षों के रोपण के एनटीपीसी त्वरित वनीकरण कार्यक्रम के अनुश्रवण की अंतिम वार्षिक रिपोर्ट (वर्ष 2020–21)।
- सीआईएल (कोल इंडिया लिमिटेड कोलकाता) की 35 खानों की पर्यावरण अंकेक्षण और पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक रैंकिंग के अंतर्गत एनसीएल, सिंगरौली, मध्य प्रदेश की झिंगुरदा, ब्लॉक–बी और खड़िया ओसी खानों के ईए–ईपीआईआर कार्यों के लिए क्षेत्र दौरा।
- विष्णुगढ़ पीपलकोटी हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (444 मेगावाट), जिला चमोली, उत्तराखंड के अंतर्गत नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान और केदारनाथ वन्यजीव वन प्रभाग के विष्णुगढ़ पीपलकोटी एचईपी कार्यों के लिए क्षेत्र दौरा। (टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ऋषिकेश)।

| क्र.सं. | विषय | तिथि | लाभार्थी |
|---|---|---|---|
| | **वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून** | | |
| 1. | वृक्षों के आवरण और आजीविका संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए कृषि वानिकी पर वेबिनार | 22 से 26 नवम्बर 2021 | भा.व.से. अधिकारी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट** | | |
| 2. | राज्य रेड्ड+ कार्य योजनाओं के विकास पर राज्य वन विभागों के लिए क्षमता निर्माण पर कार्यशाला | 16 और 17 नवम्बर 2021 | राज्य वन विभाग |
| | **शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर** | | |
| 3. | फल फसलों और उनकी प्रबंधन कार्यनीतियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर सेमिनार | 9 नवम्बर 2021 | - |
| 4. | पादपों के कार्यिकी पर रासायनिक अंतःक्षेप के प्रभाव पर सेमिनार | 15 नवम्बर 2021 | - |
| 5. | शुष्क क्षेत्रों में रेंज भूमि प्रबंधन पर सेमिनार | 22 नवम्बर 2021 | - |
| 6. | विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में मृदा में नाइट्रोजन रूपान्तरण पर सेमिनार | 24 नवम्बर 2021 | - |
| | **हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** | | |
| 7. | भारतीय संस्कृति, विज्ञान एवं परंपरा पर सम्मेलन | 13 से 15 नवम्बर 2021 | हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के स्नातक और पीजी कॉलेज |
| 8. | अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) | 15 नवम्बर 2021 | हि.व.अ.सं. के अधिकारी |

व.व.अ.सं., जोरहाट में राज्य आरईडीडी+ कार्य योजनाओं के विकास पर राज्य वन विभागों के लिए क्षमता निर्माण पर कार्यशाला

हि.व.अ.सं., शिमला ने भारतीय संस्कृति, विज्ञान और परंपरा पर सम्मेलन का आयोजन किया

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **वन अनुसंधान केंद्र – पारि–पुनर्वास, प्रयागराज** | | |
| 9. | पारि–पुनःस्थापन में कृंतकीय वानिकी पर सम्मेलन | 10 और 11 नवम्बर 2021 | अनुसंधानकर्ता एवं रा.व.वि. |

## प्रशिक्षण कार्यक्रम

| क्र.सं. | विषय | तिथि | लाभार्थी |
|---|---|---|---|
| | **वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून** | | |
| 1. | बांस प्रबंधन एवं वृक्ष सुधार | 8 से 12 नवम्बर 2021 | उत्तर प्रदेश वन विभाग के कर्मचारी |
| 2. | भीमल (*ग्रीविया ओप्टिवा*) रेशा निकालने की उन्नत तकनीकी | 17 नवम्बर 2021 | भटौली, केम्प्टी फॉल, मसूरी के ग्रामीण |
| | **वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर** | | |
| 3. | गुणवक रोपण सामग्री उत्पादक | 22 नवम्बर से 31 दिसम्बर 2021 | अधिकारी, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर |
| | **काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु** | | |
| 4. | काष्ठ, काष्ठ प्रसंस्करण एवं उपयोजन, काष्ठ संरक्षण तथा काष्ठ संशोधन की मूलभूत जानकारी | 17 एवं 18 नवम्बर 2021 | विद्यार्थी, शिक्षक, बैंकर, गैर–सरकारी संगठन, प्रकृति/पारि क्लब |
| | **उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर** | | |
| 5. | औषधीय पादपों सहित अकाष्ठ वन उत्पादों की खेती, प्रसंस्करण तकनीक और प्रबंधन | 22 से 26 नवम्बर 2021 | भा.वा.अ.शि.प. तकनीकी कर्मचारी |
| | **वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट** | | |
| 6. | खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना | 8 से 20 नवम्बर 2021 | नामसई जिले के युवा उद्यमी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | आर्किड संसाधनों का गुणन और संरक्षण | 9 नवम्बर 2021 | टिकोक और तिरप कोयला खान के स्थानीय ग्रामीण |
| 8. | बांस प्ररोह प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन | 10 से 12 नवम्बर 2021 | बेरोजगार महिलाएं |
| 9. | बांस, अगरवुड और बीज प्रौद्योगिकी | 15 और 16 नवम्बर 2021 | रेंज अधिकारी |
| 10. | बांस हस्तशिल्प | 23 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2021 | मणिपुर के अरक्षित युवा |
| | **हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** | | |
| 11. | चिलगोजा के संरक्षण और स्थायी प्रबंधन की आवश्यकता | 22, 24, 25 एवं 26 नवम्बर 2021 | प्रधान, कल्पा, पांगी, बारंग और उर्नी की ग्राम पंचायतों के सदस्य |
| | **वन उत्पादकता संस्थान, रांची** | | |
| 12. | कंप्यूटर और इंटरनेट अनुप्रयोग | 22 से 26 नवम्बर 2021 | अधिकारी एवं शासकीय |

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने गुणवक रोपण सामग्री उत्पादक पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

उ.व.अ.सं., जबलपुर ने औषधीय पादपों सहित अकाष्ठ वन उत्पादों की खेती, प्रसंस्करण तकनीक और प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित किया

व.व.अ.सं., जोरहाट ने खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना पर प्रशिक्षण आयोजित किया

हि.व.अ.सं., शिमला ने चिलगोजा के संरक्षण एवं स्थायी प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रशिक्षण आयोजित किया

## समझौता ज्ञापन

- व.व.अ.सं., जोरहाट ने संयुक्त रूप से पूर्वोत्तर भारत में प्राकृतिक संसाधन आधारित संवहनीय आजीविका उन्नयन के क्षेत्र में कार्य करने के लिए असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट के साथ 9 नवंबर 2021 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- व.उ.सं., रांची और सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड (सीसीएल), रांची के बीच 22 नवंबर 2021 को "खनित क्षेत्रों के पारिस्थितिक उद्धार" विषय पर काम करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

## प्रकृति कार्यक्रम

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने 13 नवंबर 2021 को प्रकृति–स्टूडेंट कनेक्ट कार्यक्रम के हिस्से के रूप में "नगर वानिकी अनुसंधान एवं विकास और कार्बन फुट प्रिंट का अवलोकन" विषय पर ऑनलाइन ज्ञान श्रृंखला की मेजबानी की। कार्यक्रम में कोयम्बत्तूर के सीयूबीई संगठन के सहयोगी 20 कॉलेज छात्रों ने भाग लिया।

## जागरूकता कार्यक्रम

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर में वन आनुवंशिक संसाधन और वृक्ष सुधार पर एनविस संसाधन भागीदार ने कोविड–19 के प्रसार को रोकने के लिए अनिवार्य प्रोटोकॉल का पालन करते हुए हरित दीपावली के उत्सव पर संदेश फैलाने के लिए 3 नवंबर 2021 को एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

## मानव संसाधन समाचार

**नियुक्ति (नियमित)**

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| सुश्री रत्ना वी, वैज्ञानिक 'बी', व.उ.सं., रांची | 29.11.2021 |

## आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी का प्रसार

| कार्यक्रम विषय | चैनल | दिनांक |
|---|---|---|
| **वन अनुसंधान संसाधन, देहरादून** | | |
| वानिकी अनुप्रयोग में बायोइनोकुलेंट्स की भूमिका | आकाशवाणी, देहरादून | 16 नवम्बर 2021 |
| औषधीय पौधों की फोरेंसिक जांच के लिए आण्विक आनुवांशिकी के अनुप्रयोग | | |
| वानिकी क्षेत्रो में जैव आवेगो का योगदान | | |
| वानिकी की विकसित काष्ठ शोध तकनिकियों पर वार्ता | | |

**सरंक्षकः**
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

**संपादक मंडलः**
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

**प्रत्याख्यान**
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।